टिप्पण:- अधिसूचना सं. 201 (अ), तारीख 12-3-85 की निम्नलिखित द्वारा बाद में संशोधित किया गया है:--

- (i) प्रिधसूचना सं. का. था. 459(अ), तारीख 12-8-85
- (ii) श्रधिसूचना सं. का. आ. 103(अ), नारीख 20-3-86
- (iii) प्रधिसूचना सं. का. मा. 113(अ), तारीख 25-3-86

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 20th September, 1988

NOTIFICATIONS

S.O. 869(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs, Department of Industrial Development No. S. O. 201(E), dated the 18th March, 1985, namely:—

In the said notification-

- (i) for the existing condition No. (1) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—
 - "(1) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (items reserved for small scale undertakings) to the notification No. 629 (E) dated 30/6/88";
- (ii) for the existing condition 3 of paragraph 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—.
- "3. The industrial undertakings are not located or proposed to be located:
 - (i) within 50 Kms, of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakhs according to 1981 census;
 - (ii) within 30 Kms, of the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;
 - (iii) within 15 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 7.5 lakhs but less than 15 lakhs according to 1981 census;
 - (iv) within the standard urban area/municipal limits of other cities and towns.";
 - (iii) paragraph 2 and its entries shall be omitted.

[F. No. 10/49/88-L.P.]

Note:—Notification No. 201 (E) dated 12-3-85 has been subsequently amended by:—

- (i) Notification No. S.O. 459 (E) dt. 12-3-85.
- (ii) Notification No. S. O. 130 (E) dt. 20-3-85.
- (iii) Notification No. S.O. 113 (E) dt. 25-3-86.

का. आ. 870(अ):- केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की बारा 29व्य की उपधारा (1) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भीशोगिक विकास विभाग) की प्रधिसूचना सं. का. आ. 140(अ) तारीव्य 31 मार्च, 1986 का, जिसका बाद में प्रधिसूचना सं. का. आ. 1127(अ), तारीव्य 29 विसम्बर, 1987 हारा (जिसे हसमें

इसके पत्रभात् उक्तत् अधिसूचना कहा गया है) संशोधन किया गया है, निम्नोलेखित संशोधन करती है, अर्थात् :---

यबासंशोधित उन्त प्रधिसूचना में -

- (i) विद्यमान गर्त (1) श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, श्रयांत :--
- "(1) विनिर्माण की घस्तु भारत मरकार के उद्योग मंत्रालय, श्रीक्षो-गिक विकास विभाग की श्रीक्षमूचना सं. 629(अ), तारीख 30 जून, 1988 से उपाबद्ध अनुसूची - 3 (सचु उपअभी के लिए आरक्षित मदें) में विनिधिष्ट वस्तुएं नहीं होंगी।";
 - (ii) गर्त 4 के स्थाम पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :---
 - "(4) श्रीद्योगिक उपक्रम :
 - (क) 1981 की जनगणना के अनुसार 25 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों की परिक्षि (प्रणीत नगरीय क्षेत्र परिसीमाओं की मीमा) के 50 कि. मी. के भीतर;
 - (ख) 1981 की जनगणना के धनुसार 15 लाख से प्रधिक किन्तु 25 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों की परिधि के 30 कि. मी. के भीतर:
- (ग) 1981 की जनगणना के अनुसार 7.5 लाखा ने अधिक किन्तुं
 15 लाख से कम जनसंख्या बाले नगरों की परिधि के 15
 कि. मी. के भीतर;
- (घ) श्रन्य नगरों भीर कस्बों के मानक नगरीय क्षेत्र/नगरपालिका सीमाश्रों के भींदर ;

प्रवस्थित महीं हैं या घवस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित नहीं है।";

(iii) पैरा 2 धौर उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा

फा. सं. 10/49/88 - एन . पी .]

S.O. 870(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 140(E), dated the 31st March, 1986, as amended by the subsequent notification S.O. No. 112. (E), dated the 29th December, 1987, thereinafter referred to as the said notification), namely:—

In the said notification as amended-

- (i) for the existing condition (1) and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely:—
- "(1) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (items reserved for small scale undertakings) annexed to the Government of India notification Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. 629 (E) dated the 30th June, 1988.";
- (ii) for condition 4, the following shall be substituted, namely:—
 - "(4) The industrial undertaking is not located of proposed to be located within:—
 - (a) 50 Kms. of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakhs according to 1981 Census:
 - (b) 30 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;

- (c) 15 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 7.5 lakhs but less than 15 lakhs according to 1981 census;
- (d) the standard urban area/municipal limits of other cities and towns.";
- (iii) paragraph 2 and its entries relating thereto shall be omitted.

IF. No. 10/49/88-L.P.]

का. या 871(अ) -- केन्द्रीय मरकार, उद्योग (विकास श्रीर यिनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की झारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत मरकार के उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय, श्रीद्योगिक विकास विभाग की श्री- भूचना मं का. श्रा. 483(अ), तारीख 8 धगम्न, 1986 का निष्न- मिन्नित संशोधन करती है, श्रयति --

ज़क्त ग्रधिसूचना में, विद्यासन क्रम सं. (i) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखिन रखा जाएगा, ग्रयीन् :~-

- "(i) श्रीचोगिक उपक्रम :--
 - (i) 1981 की जनगणना के अनुसार 25 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों की परिधि (प्रयान नगरीय क्षेत्र परिसीमाधों की सीमा) के 50 कि. भी. के भीतर;
- (ii) 1981 की जनगणना के अनुसा 15 लाख से अधिक किन्तु 25 लाख से कम जनसंख्या थारे नगरों की परिधि के 30 कि. मी. के भीतर;
- (iii) 1981 की जनगणना के अनुसार 7.5 ताख से अधिक किन्तु 15 लाख से कम्म जनसंख्या जाने नगरों की परिधि के 15 कि. मी. के भीतर;
- (iv) श्रम्य नगरीं श्रीर कंस्बों के मानक नगरीय क्षेत्र/नगरपालिक सीमाश्रों के भीतर ।

थबस्थित नहीं हैं या अवस्थित किए जाउं के लिए प्रस्ताबित नहीं हैं।" $[\mathbf{w}_1, \mathbf{w}_2, \mathbf{w}_3] = \mathbf{w}_1 + \mathbf{w}_2 + \mathbf{w}_3 + \mathbf{w}_4 + \mathbf{w}_3 + \mathbf{w}_4 + \mathbf{w}_5 + \mathbf{w}_5 + \mathbf{w}_6 + \mathbf{w}_6$

S.O. 871(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs, Department of Industrial Development No. S.O. 483(E) dated 8th August, 1986, namely:—

In the said notification for the existing serial No. (i) and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely:—

- "(i) The industrial undertakings are not located or proposed to be located:
 - (i) within 50 Kms, of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakhs according to 1981 census;
- (ii) within 30 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;
- (iii) within 15 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 7.5 lakhs but less than 15 lakhs according to 1981 census;
- (iv) within the standard urban area/municipal limits of other cities and towns."

[F. No. 10/49/88-L.P.]

का. मा. 872(अ) :-- केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास मीर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 29च की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त गित्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत मरकार के उद्योग मंद्रालय, श्रीग्रांगिक विकास विभाग की मिश्सूचना सं. का आ. 834(अ), नारीख 11 नवस्यर, 1986 का निम्नालिन्निन संगोधन करती है, सर्थान:--

उक्त अधिमुक्ता में :---

- (1) विश्वमान गर्त सं. (i) ग्रीर उसी संबंधिन प्रविद्यिमें के स्थान पर निस्तिवित रखा जाएगा, भवीन :--
 - "(i) विनिर्माण की वस्तु भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, श्रौद्योगिक विकास विभाग की श्रिधिसुचना सं. 629(अ), तारीख 30 जून, 1988 से उपायद्ध (श्रमुसूची - 3 लघु उपक्रमों के लिए श्रारक्षित मर्वे) में विनिधिन्ट वस्तु नहीं होंगी।"
- 2. विद्यमान गर्त सं. (iii) भौर उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रयाद :--
 - "(iii) भौद्योगिक उपक्रम:
 - (i) 1981 की जनगणमा के प्रतुसार 25 लाख से प्रधिक जनसंख्या वाल नगरों की परिधि (प्रयात नगरीय क्षेत्र परिसीमाग्रों की सीमा) के 50 कि. मी. के भीतर;
 - (ii) 1981 की जनगणमा के अनुसार 15 लाख से अधिक किन्तु
 25 लाख से कम जन संख्या नाले नगरों की परिधि के 30
 कि. मी. के भीतर;
 - (iii) 1981 की जनगणना के धनुसार 7.5 लाख से अधिक किन्तु 15 लाख से कम अनसंख्या वाले नगरों की परिधि के 15 कि. मी. के भीतर;
 - (iv) अस्य नगरों भीर कस्बों के मानक नगरीय क्षेत्र/नगरपालिक सीमाओं के भीतर :

प्रवस्थित नहीं हैं या प्रवस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित नहीं है।"

3. प्रार्त सं. (iii) के नीचे "यह उक्त प्रक्षियूचना के प्रतिष्क्रित है न कि प्रसक्ते अस्थीकरण में" शब्दों का लोग किया बाएगा ।

[फा. मं. 10/49/88 - एस. पी.]

कें, जे, रेष्ट्री, संयुक्त मजिक्र

S.O. 872(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry Department of Industrial Development No. S.O. 834(E) dated the 11th November, 1986, namely:—

In the said notification :-

- 1. for the existing condition No. (i) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—
 - "(i) Article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (Items reserved for small scale undertakings) annexed to the Govt. of India notification Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. 629 (E), dt, the 30th June, 1988.";

- for the existing condition No. (iii) and the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—
- "(iii) The industrial undertakings are not located or proposed to be located s
 - (i) within 50 Kms. of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakes according to 1981 census;
 - (ii) within 30 Kms. or the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;

- (iii) within 15 Kms, of the periphery of duties having a population of more than 7.5 lakhs out less than 15 lakhs according to 1981 census;
- (iv) within the standard urban area/municipal limits of other cities and ""wns."
- 3. The words "This is in addition to and not in derogation of the said notification" below condition No. (iii), shall be omitted.

[F. No. 10/49/88-L, P.]K. J. REDDY, Jt. Secy.

Harmonia de la compania del compania del compania de la compania del la compania de la compania

Programmers and the second of the second of

Ct.

The Gazette of India

ARIBITED STATES

PART H—Section 3—34-24-2 (ii)

ं प्राप्तिकार से प्रकाशिक PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 472 No 472 नई विहली, मंगलवार, सितन्धर 20, 1988/भाद्र 29, 1910

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 20, 1988/BHADRA 29, 1910

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संबंधा को काली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एका जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि आर न्याय मंद्रालय

(विधायी विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1988

का. प्रस्. 873(ब्र) : --लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 67 के अनुसरण में, निम्नलिखित घोषणा, जिसमें राज्य सभा में स्थान का भरने के लिए नियोचित ग्रध्यर्थी का नाम है, सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :--